RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 32 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 12 जनवरी 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

उत्तरायणी 2026 में घुघुतों के साथ 2027 की माला तैयार हो रही

उत्तराखण्ड की राजनीति में पैंग बढ़ाती महिला नेता और सोशल मीडिया पर मचा हुआ है घमासान

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड में अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड को लेकर जिस प्रकार से विरोध प्रदर्शन हो रहा है वह आम जनता की पीड़ा के अलावा राजनीति की सुलगी भी है। कहना गलत नहीं होगा कि उत्तरायणी 2026 में घुघुतों के साथ 2027 की माला तैयार हो रही है। इस माला में कितने गुथे जाएंगे और कितने छिटकेंगे यह आने वाले दिनों में पता चलेगा। फिलहला तो सोशल मीडिया पर घमासान मचा हुआ है और महिलाएं प्रदेश की राजनीति में पैंग बढ़ा रही हैं। महिला नेताओं के साथ ही वह चेहरे इन दिनों ज्यादा चर्चा में हैं जो किन्हीं भी कारणों से कतिपय नेतागर्दों के साथ जुड़े रही हैं। जिस प्रकार से इन्होंने सोशल मीडिया पर बयान दिये हैं वह तो आम जन को परेशान करने वाले हैं क्योंकि यह सीधे-सीधे नाम लेकर आरोप लगा रही हैं। यही कारण है कि अंकिता हत्याकाण्ड से आहत जन वीआईपी की पकड़ करने को सड़क पर उतर चुका है। जनता के इस प्रदर्शन में विपक्ष पूरा मौका देख चुका है। सरकार पर आरोप लगाए जा रहे हैं और भाजपा के अन्दर भी नेता सुलग कर जाँच की मांग करने लगे हैं। ऐसे में निश्चित ही 2027 की माला बनना तय है।

अंकिता भण्डारी प्रकरण को लेकर अल्मोड़ा में भाजपा नेता त्रिलोक लटवाल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। प्रदेश की पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेत्री विजया बड़थ्वाल ने मामले की सीबीआई जाँच की मांग की है। उन्होंने मामले में हुए नए खुलासे के बाद जांच को जरूरी बताया। भाजपा जिलामंत्री युवामोर्चा अंकित बहुखण्डी ने भी इस्तीफा देते हुए यमकेश्वर विधायक रेणु बिष्ट पर आरोप लगाए हैं। पूर्व राज्यमंत्री एवं ऋषिकेश के समाजसेवी भगत राम कोठारी ने भी न्याय की आवाज उठाते हुए पार्टी से अपना इस्तीफा दे डाला। सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना ने हत्याकाण्ड पर कड़ी कार्रवाई और सीबीआई जाँच की मांग की है। भाजपा नेता बीरेन्द्र

शेष पृष्ठ 2 पर

भारत के मीलपत्थर

कौन थी गार्गी वाचक्नवी?

सूर्यकान्त बाली

अगर वैदिक साहित्य पर सूर्या सावित्री छाई है तो ब्राह्मण और उपनिषद साहित्य पर गार्गी वाचक्नवी छाई है। सूर्या तब हुई जब देश में मंत्रों की रचना समाप्ति की ओर थी और महाभारत से थोड़े ही समय पूर्व उसने विवाह सूक्त की रचना कर वैदिक साहित्य और महाभारत पूर्ववर्ती समाज में इस अर्थ में क्रान्ति ला दी थी कि उसने विवाह संस्था का रूप ही बदल दिया और आज से करीब सवा पाँच हजार साल पहले उसने उस विवाह प्रथा का का चलन किया जो हम आज तक अपनाए हुए हैं। वाचक्नवी गार्गी महाभारत से करीब पचास साल बाद (यानी सूर्या सावित्री से करीब पौने दो सौ वर्ष बाद) इस देश में थीं जब वैदिक मंत्र रचना के अवसान के बाद चारों ओर ब्रह्मज्ञान पर वाद-विवाद और बहसें हो रही थीं और याज्ञवल्क्य जिस परिदृश्य को अपना एक अद्भुत नेतृत्व प्रदान कर रहे थे। गार्गी उसी युग में हुई थीं और जनक की ब्रह्म सभा में उन्हीं याज्ञवल्क्य के साथ जबर्दस्त बहस में कमाया कि इस प्रकाशस्तम्भ को देश आज भी गौरवपूर्वक याद करता है।

कौन थी गार्गी वाचक्नवी? पूरा भारत जिसे पिछले पाँच हजार साल से आदर पूर्वक याद करता आ रहा है उसके बारे में कोई खास सूचना पूरे संस्कृत साहित्य में हमें नहीं मिलती। क्या इसे अजीब माना जाए या एक विदुषी नारी का अपमान? कुछ भी नहीं क्योंकि इस युग के जितने भी बड़े-बड़े दार्शनिक थ्ले उनमें से किसी के बारे में भी कोई खास जानकारियाँ हमें नहीं मिलतीं। बस उतनी ही मिलती हैं जितनी ब्रह्म चर्चाओं के दौरान हमें संयोगवश मालूम पड़ जाती हैं। याज्ञवल्क्य के बारे में भी यही सच है। गार्गी का पूरा नाम गार्गी वाचक्नवी वृजदारण्योपनिषद (3.6 और 3.8) में वहीं मिलता है जहाँ वह जनक की राजसभा में याज्ञवल्क्य से आध्यात्म सम्वाद करती है। इस वाचक्नवी के आधार पर बाद में लोगों ने कल्पना कर ली कि किसी वचक्नु नामक ऋषि की पुत्री होने के कारण गार्गी का नाम वाचक्नवी पड़ गया। पर हमें इस तर्क में कोई खास दम नजर नहीं आता। वचक्नु बेशक किसी ऋषि का नाम लगता हो, पर हमें इस नाम के किसी ऋषि का कोई अता पता पूरे साहित्य में कहीं-नहीं मिलता। जाहिर है कि अपने समय की प्रखर वक्ता और वाद-विवाद में अप्रतिम होने के कारण गार्गी का नाम वाचक्नवी प्रसिद्ध हो गया होगा और जैसे कई बार प्रसिद्ध सन्तानें अपने पिता को नाम दे दिया करती हैं, वैसे ही गार्गी वाचक्नवी ने अपने पिता को अपने गुण से नाम दे दिया होगा। इसलिए गार्गी वाचक्नवी का अर्थ हुआ वह गार्गी जिसे सम्वाद या विवाद में कोई हरा न सके।

युधिष्ठिर के छत्तीस वर्ष के राज्यकाल के बाद परिक्षित हस्तिनापुर के सम्राट बने। गार्गी इसी के शासनकाल में हुई थी। पर कब युधिष्ठिर के समकालीन बहुलाश्व जनक मिथिला में राज कर रहे थे। बाहुलाश्व के पुत्र कृति जनक तो कृति के बाद महावशी जनक मिथिला के राजा हुए। वाचक्नवी ने याज्ञवल्क्य के साथ जिन ब्रह्मवेत्ता जनक के राजप्रसाद में अध्यात्म सम्वाद किया था वे वही महावशी जनक थे इस बारे में पहले भी एक दो बार बता चुके हैं। तो जाहिर है कि ये जनक युधिष्ठिर से करीब बीस पच्चीस वर्ष बाद ही हुए होंगे और इस आधार पर गार्गी को महाभारत युद्ध से करीब पचास वर्ष बाद का माना जा सकता है। यानी आज से करीब पाँच हजार साल पहले देश में ऐ ऐसी दार्शनिका की दुन्दुभि बज रही थी जिसे उसके स्वभाव के कारण परमहंस भी कह दिया जाता है।

कहाँ की थी गार्गी? कुछ पता नहीं चलता। याज्ञवल्क्य का नाम पुराणों व महाभारत में काफी आता है, पर इन ग्रन्थों में गार्गी का कोई खास उल्लेख नहीं है। सम्पूर्ण उपनिष्द् व ब्राह्मण साहित्य में भी गार्गी का उल्लेख सिर्फ मिथिला की अध्यात्म सभा के सम्वाद के सन्दर्भ में ही आता है। याज्ञवल्क्य के साथ हुए दो सम्वादों के अतिरिक्त और कोई सन्दर्भ भी गार्गी का नहीं मिलता। इससे एक निष्कर्ष सहज ही निकाला जा सकता कि गार्गी कुरु-पंचाल देश की नहीं थी। गार्गी सम्भवत: उत्तरी बिहार के किसी क्षेत्र की थी जहाँ से उसके लिए मिथिला की राजसभा में जाना काफी सहज और सरल रहा होगा। या फिर वह मिथिला की ही थी।

अपनी परम्परा की इस अतिसमृद्ध विरासत गार्गी वाचक्नवी के बारे में हमारे पास सूचनाओं की कितनी विवश कर देने वाली दरिद्रता है। इसलिए क्यों न उसके दार्शनिक चरित्र का आकलन उन दो सम्वादों के आधार पर किया जाए जो उसने महावशी जनक के ब्रह्मसभा में याज्ञवल्क्य से किए थे? गार्गी का पहला सवाल बहुत ही सरल था पर उसने अन्तत: याज्ञवल्क्य को ऐसा उलझा किदया कि वे क्रुद्ध हो गए। गार्गी ने पूछा था, याज्ञवल्क्य बताओ तो जल के बारे में कहा जाता है कि हर पदार्थ इसमें घुलमिल जाता है तो यह जल किसमें जाकर मिल जाता है? अपने समय के उस सर्वश्रेष्ठ ब्रह्मनिष्ठ याज्ञवल्क्य ने आराम से और ठीक ही कह दिया कि

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

गम्भीर मामलों में पार्टी की बेड़ियां नहीं होनी चाहिये

अंकिता हत्याकाण्ड को लेकर जिस प्रकार से नई बातें उछली हैं, उससे उत्तराखण्ड उबल रहा है। पार्टियों से जुड़े बड़े नेताओं और तेज तर्रार चर्चित महिलाओं द्वारा दबंगता के साथ जारी किये गये गये वीडियो ने आम जनता को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि नेतागण आंखिर राजनीति के कीच में कितना धंस जाते हैं। किस तरह से इज्जत-आबरु उतार ली जाती है। किस प्रकार झूठ को परोसा जाता है। किस प्रकार से सच का गला दबा दिया जाता है। किस प्रकार गलत को सही साबित किया जाता है।

बात पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला के विवाद से शुरू होती है लेकिन इसके बाद जिस प्रकार की बातचीज सोशल मीडिया में आई है वह बड़ा सवाल है। आंखिर सोशल मीडिया सबकुछ परोस देने के लिये है? जब परोस ही दिया गया है तो सत्तारूढ़ पार्टी जवाब देना होगा लेकिन इसके कुछ गिने-चुने लोगों द्वारा ही अपनी राय व्यक्त की गई जो उनके व्यक्तिगत साहस को रेखांकित करती है। बात अंकिता हत्याकाण्ड के खुलासे को लेकर चल रही है और खुलेआम नाम लेकर प्रदर्शन होने लगे हैं लेकिन इस ज्वलंत और अति सम्वेदनशील मामले में सांसद त्रिवेन्द्र रावत को छोड़ पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारी अपनी राय देने से बचते रहे हैं। अच्छी बात है कि पार्टी का अपना अनुशासन हो लेकिन गम्भीर मामलों में पार्टी की बेड़ियां नहीं होनी चाहिये।

प्रदेश में इस दिनों बयानबाजी के अलावा जिस प्रकार का माहौल बना हुआ है, अच्छा होता सरकार 2022 में सीबीआई जांच को कहती, इससे न तो सरकार पर उंगली उठती। अब फिर से आन्दोलन भड़का है और आम जन का सन्देह और गहरा हुआ है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

ऑनलाइन मंचों को चेतावनी

नई दिल्ली। केन्द्र ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कम्पनियों को आगाह किया है कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शौषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

वार्षिक रिटर्न के लिये और समय मिला

नई दिल्ली। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने कम्पनियों के लिए वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जनवरी 2026 तक बढ़ा दी है। यह विस्तार कम्पनी कानून के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से सम्बन्धित फाइलिंग के लिए दिया गया है। पहले यह समयसीमा 31 दिसम्बर 2025 की थी।

खालिदा जिया अब यादों में

ढाका। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया (80) का 30 दिसम्बर 2025 को ढाका में निधन हो गया। बांग्लादेश नेशलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा कुछ समय से बीमार थीं। उन्हें उनके पति और बीएनपी के संस्थापक व पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के पास राजकीय सम्मान के साथ दफनाया गया।

चीन-ताइवान एकीकरण अपरिहार्य

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि चीन के साथ ताइवान का पुनः एकीकरण अपरिहार्य है। हमारी मातृभूमि का पुनः एकीकरण समय की मांग है। उन्होंने देश की बढ़ती रक्षा क्षमताओं का उल्लेख करते हुए ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को भी रेखांकित किया।

भारत-पाक सूची पर.सूची आदान-प्रदान

नई दिल्ली। तीन दशक से अधिक समय से जारी सिलसिले को बरकरार रखते हुए भारत और पाकिस्तान ने एक द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सूचनी का आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले को रोकने वाले एक समझौते के प्रावधानों के तहत हुआ है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क के मेयर की शपथ ली

न्यूयॉर्क। पुराने सबवे स्टेशन में आयोजित एक निजी समारोह में जोहरान ममदानी ने औपचारिक रूप से न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली। क्वीन्स राज्य के जनप्रतिनिधि रहे भारतवंशी 34 वर्षीय जोहरान ममदानी अब अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर बनने वाले दक्षिण एशियाई मूल और मुस्लिम समुदाय से पहले व्यक्ति बन गए हैं।

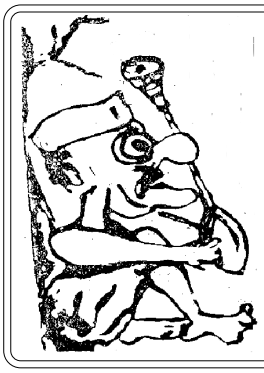

फसक

दाज्यू, अपने प्रदेश में गजब ही हो रहा ठैरा

एक-दूसरे पर आरोप के लिये हकाहाक-डड़ाडाड़ जरूरी है बल

दाज्यू, उत्तराखण्ड में अगड़म-बगड़म चेहरे दिखाई दे रहे हैं और बम की तरह फूट रहे हैं। कुछ कहना ही नहीं आ रहा है अब तो। अपने प्रदेश में गजब ही हो रहा ठैरा। हॉलीबुड-बॉलीबुड सबकुछ यहीं दिखाई दे रहा है। सरासार, रक्षस्योव, भुत्योव में क्या किया जा सकता है? अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड का मामला जिस तरह से भुती गया है, लगता है यह छोड़ने वाला तो नहीं है। चोखे बने नेताओं की पूछो मत। सारे छल-छद्म दिखाई दे रहे हैं। एक-दूसरे पर आरोप के लिये हकाहाक-डड़ाडाड़ जरूरी है बल।

दाज्यू, किसे सही मानें सब जगह बौयाट मचा है। हमें तो खुशी है कि भारत सरकार ने खनन क्षेत्र में सुधार के लिये प्रदेश को 200 करोड़ की विशेष सहायता दी है। सीएम धामी ज्यू कह रहे हैं- 'इस सहयोग से तकनीकी सुधार और सतत विकास को नई गति मिलेगी।' दाज्यू, प्रदेश की गति-मति आप जान ही चुके हो। भयंकर बबाल मचा है और खद्दर चद्दर पहने बड़े नेता खाने को दौड़ रहे हैं। इनकी आवाज में हिनहिनाहट और चाल में सरसराहट दिखाई देने लगी है। अंकिता हत्याकाण्ड पर तरह-तरह का होने लगा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट को धमकी देने वाले युवक ने वीडियो जारी कर माफी मांगी।

राशिफल का चमत्कार भी हुआ। गाजियाबाद से अपनी प्रेमिका को नैनीताल घुमाने आए एक व्यक्ति की पत्नी भी पहुंच गई फिर क्या था, बीच बाजार हंगामा मच गया। दाज्यू, जैसे-तैसे मामला निपटाया निपटा। काशीपुर में आईटीआई थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे किनारे छिपाकर रखी गई नशे के इंजेक्शन की 17 पेटियां बरामद की हैं बल। दाज्यू, आप जानने ही वाले हुए कि नशा बहुत सस्ता हो चुका है, जिधर-तिधर बिखरा हुआ है। इससे बचना चाहिए।

ऋषिकेश में बवाल मचने पर सैकड़ों लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। न्यायालय के आदेश में गुमानीवाला श्याम पुर स्थित वन भूमि पर हुए कब्जे को हटाने की कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम पर पथराव हो गया था। दाज्यू, लोड्योव जब होती है करने वाला भूल जाता है कि पत्थर किधर उछाला जा रहा है।

दाज्यू, मंत्री रेखा आर्या के पति साहू ने एक सभा में कह दिया 'बिहार में लड़किया 20-25 हजार रुपये में मिल जाती हैं।' साहू का पहले से ही बहुत नाम है तो उनका वीडियो भी वायरल हो गया। इसके बाद वह चन्दन-पिठ्या लगाकर वीडियो में सफाई देने लगे- 'विरोधियों ने उनकी बात को तोड़-मरोड़ कर प्रचारित कर दिया।' दाज्यू, तभी तो हम कह रहे हैं कि अगड़म-बगड़म हो रही है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

बुजुर्गों की आँखों.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

जुयाल ने अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री से जाँच की मांग की है।

मचे हंगामे के बीच पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनवार के विवाद में आरोप-प्रत्यारोप के बाद अलग-अलग थानों में दर्ज मामलों की जाँच के लिए एसएसपी हरिद्वार ने 7 सदस्यीय एसआईटी का गठन गठन किया है। पुलिस ने उर्मिला की पकड़ के लिये दबिस भी दी। उर्मिला वीडियो जारी कर उन पर खतरे की बात भी कह चुकी है। देहरादून में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गादियाल ने कार्यकर्ताओं के साथ अपर पुलिस महानिदेश वी.मुरूगेशन से मिलकर अंकिता हत्याकाण्ड मामले में कुछ चीजें स्पष्ट करने को कहा है। कहा कि सरकार की ओर से गठित एसआईटी ने यदि बुलडोजर चलाने वालों के बयान दर्ज किए हैं तो उत्तराखण्ड के नागरिकों को यह भी बताने का कष्ट करें कि एसआईटी की रिपोर्ट में क्या तथ्य सामने आए, अंकिता एवं उसके मित्र के बीच हुई बातचीज सन्देशों की गहनता से जांच की जिसमें अंकिता ने स्पष्ट रूप से यह बताया था कि किसी वीआईपी को विशेष सेवाएं देने का उन पर भारी दबाव है।

हल्द्वानी में मामले को लेकर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। कांग्रेस के कैंडल मार्च सहित प्रगतिशील भोजनमाता संगठन, परिवर्तनकामी छात्र संगठन, प्रगतिशली महिला एकता केन्द्र, क्रान्तिकारी लोक अधिकार संगठन ने हत्याकाण्ड के कथित वीआईपी का नाम उजागर कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इन संगठनों ने राज्य सरकार का पुतला दहन का ज्ञापन भी सौंपा। गौलापार के बागजाला जशबु थान चौराहे पर किसान महासभा और भाकपा माले ने भी विरोध प्रदर्शन कर रसूखदार लोगों का नाम उजागर कर सजा देने की मांग की। पहाड़ी आर्मी ने इस लड़ाई को पहाड़ की अस्मिता बताते हुए सरकार से सवाल उठाए हैं।

सितारगंज में भी कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन कर अंकिता हत्याकाण्ड की सीबीआई जांच की मांग की। सरकार पर भाजपा नेताओं को बचाने का आरोप लगाते हुए पुतला फूंका। प्रदर्शन करने वालों में पार्टी के प्रदेश सचिव नवतेज पाल सिंह, सरताज अहमद, करन जंग, हरीश दुबे, विपिन खोलिया प्रमुख थे। काशीपुर में प्रगतिशील महिला एकता मंच ने सरकार का पुतला दहन करते हुए न्याय की मांग की। अन्य सामाजिक संगठनों ने भी एमपी चौक पर प्रदर्शन किया। रुद्रपुर में हुए प्रदर्शन के बीच कांग्रेस नेता संजय जुनेजा और अभिमन्यु साना ने सरकार का विरोध करते हुए सर मुंडवा लिया। कहा अंकिता हत्याकाण्ड ने उत्तराखण्ड की शान्त वादियों को आहत किया है। जसपुर में प्रदर्शनकारियों ने सांसद अजय भट्ट को काले झण्डे दिखाते हुए विरोध किया।

अल्मोड़ा में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि भाजपा सरकार अंकिता हत्याकाण्ड के दोषियों को बचाने का काम कर रही है। प्रदर्शन करने वालों में शिवराज सिंह नयाल, दिनेश नेगी, गजेन्द्र सिंह, महेश काण्डपाल, कैलाश आर्या, लक्ष्मण मेहरा, भगवती पाठक, ज्योति पाठक आदि थे। विधायक मनोज तिवारी ने प्रेस वार्ता करतें हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में अंकिता हत्याकाण्ड की जाँच होनी चाहिये। चम्पावत के सीएम कैम्प कार्यालय में भी अंकिता भण्डारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। पार्टी जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की।

महिला कांग्रेस ने अंकिता हत्याकाण्ड में कथित वीआईपी का नाम सामने आने पर भी कार्रवाई न होने की बात करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी का आवास घेरते हुए प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने इसमें भाग लिया। गोपेश्वर में कांग्रेस का विशाल प्रदर्शन देखा गया।

डीडीहाट में भी जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए लोगों ने चेतावनी दी कि जब तक अंकिता को न्याय नहीं मिलेगा तब तक सड़क से लेकर सदन तक आन्दोलन होगा। इस दौरान विक्रम देऊपा, चंचल बोरा, चंचल चौहान, दिवाकर पांगती, मोहन राम, हिमांशु चुफाल, ललित चुफाल, दीपा रावत, शकुन्तला बंग्याल मौजूद थे।

मुनस्यारी में हुए प्रदर्शन में दोषियों को सजा की मांग की गई। धारचूला में कैंडल मार्च निकालकर विरोध दर्ज कराया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए मनोहर सिंह टोलिया, नन्दा बिष्ट, प्रेमा कुटियाल ने कहा इंटरनेट मीडिया के माध्यम से जिन वीआईपी नामों को लिया जा रहा है उस पर ठोस कार्यवाही न होना गम्भीर चिन्ता का विषय है। पिथौरागढ़ व गंगोलीहाट में प्रदर्शनकारियों ने कैंडल मार्च निकालते हुए दोषियों को सजा देने की मांग की।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रिपोर्ताज

महान अन्वेषक पं. नैन सिंह रावत का जन्मस्थली गाँव भटकुरा की घोर उपेक्षा

जगदीश सिंह बजवाल

जोहार घाटी के अल्पसंख्यक समुदाय शौका जनजाति समाज में जन्म लेने वाले ऐसे महारथी जिसने अपने अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा, इमानदारी, कड़ी मेहनत से मध्य एशिया की धरती को अपने कदमों से नतमस्तक कर दिया हो, जिसने 2000 हजार किमी तथा 25 लाख नपे-तुले कदमों से नाप दिया, जिससे अंग्रेज सर्वेक्षक भी हतप्रभ थे। औपनिवेशिक काल-ब्रिटिश सरकार, लन्दन रॉयल ज्यौग्रफिकल सोसायटी ने उपाधि, सम्मानों की झड़ी लगा दी, उस महान शख्सियत का नाम पण्डित नैन सिंह रावत था। जिनका नाम देश-विदेश के इतिहास में ससम्मान दर्ज हैं किन्तु जन्म स्थल पर किसी प्रकार स्मृति चिन्ह प्रतिरूप न होना अवश्य सबको ऊहालना देती है।

मिलम जोहार के सम्भ्रान्त परिवार से सम्बन्ध रखने वाला धामू बुढ़ा जो आधुनिक जोहारी के मूल पुरुष 'धामू रावत' के अगली पीढ़ी के बंशज हैं। धामू बुढ़ा जिसकी तीन पत्नियां' मंगली, टुल्लियानी, मार्छा धर्मी से कुल 10 सन्तानें उत्पन्न हुई। तीसरी पत्नी मार्छा धर्मी से उत्पन्न - फतेहसिंह, देबू, झेमू, लाटा (अमर सिंह) नागू था। जो पाँचों भाई तीसरे हिस्से के हिस्सेदार थे।

अमर लसह (लाटा) का जन्म सन् 1795 में हुआ था। युवाकाल में में उसकी शादी नितवाली महिला से हो गयी परन्तु अपने गाँव मिलम में ही सयाना राठ में विवाहिता महिला लखमा बिलज्वाली के साथ प्रेम-प्रसंग चलते उसे भी पत्नी के रूप में अपने घर ले आया, जिससे सभी भाई नाराज हो गए तथा जायदाद से बेदखल कर समाज से भी बहिष्कृत कर दिया।

दोनों पत्नियों को साथ लेकर अमर सिंह भटकूरा गोरीफाट परगना गोरी नदी पार आकर निवास करने लगा था। जो जिमदार (राजपूत) बहुल गाँव था। अमर सिंह गाँव में रहकर लोगों के बीच आपसी झगड़े का निपटारा कर देता, जिससे मिले धनराशि से लोगों से खेती-बाड़ी का कार्य कराता था, येन-केन आजीविका को चला रहा था।

अपने जायदाद के हक की लड़ाई हेतु ब्रिटिश अधिकारी जार्ज विलियम के न्यायालय में मुकदमा दर्ज किया किन्तु मुकदमे को सिरे से खारिज कर देने के कारण पत्नियां हताश हो गई। एक दिन दोनों ने गोरी गंगा में झंलाग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जिस कारण अमर सिंह अत्यधिक दु:खी हो गया।

सन् 1825 में अस्कोट परनगना के धारचूला जुम्मा गाँव के राजपूत महिला यशुली से विवाह रचाकर अपने प्रवासी घर भटकुरा पहुँचा। बड़ा भाई समजांग के बाद 21 अक्टूबर सन् 1830 को पंडित नैन सिंह रावत का जन्म भटकुरा गाँव में ही हुआ। ग्यारह बर्ष तक बाल्यकाल का जीवन भटकुरा में ही व्यतीत करने वाले नैनसिंह ने महानता की पटकथा लिखकर इतिहास पुरुष बनने का गौरव प्राप्त किया।

पण्डित नैन सिंह ने अपने जीवनकाल में कठिनाइयां का ही सफर तय किया, अपनी नजरों के आगे पिता का दर्द, ग्यारह बर्ष की उम्र में माँ की ममता से भी सदा के लिए वंचित रह गया था।

पण्डित नैन सिंह रावत की प्रबल इच्छा धन कमाकर कर्ज मुक्त होकर समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाना प्राथमिक में था। जिसके लिए कठिन से कठिन कार्य करने को सहमत था। स्वयं नैन सिंह ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी की वह आगे चलकर महानता के शिखर पर विराजमान होने वाले हैं। इसी लिए कहा जाता है- 'कर्म करते रहो, फल की इच्छा भविष्य पर छोड़ दो।'

सच्चाई, ईमानदारी से प्राप्त सम्मान व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाता है। पण्डित नैन सिंह रावत के लिए ब्रिटिश सरकार, लन्दन रॉयल ज्यौग्रफिकल सोसायटी ने उपाधि, सम्मानों की झड़ी लगा दी। पण्डित, पैट्रनल पदक, सी.आई.ई. (कम्पेनियन ऑफ इण्डियन एम्पायर) की उपाधि, स्वर्ण घड़ी प्रदान किया। ब्रिटिश सरकार की संस्तुति से ही 1000 वार्षिक आय प्राप्त जागीर दी गई। 'विक्टोरिया पदक', किसी भी भूगोलवेत्ता को दिया जाने वाला सर्वश्रेष्ठ सम्मान जो नैन को भी प्राप्त हुआ। यद्यपि नैन सिंह के विषय में शौका समाज के कई लोग आज भी अनभिज्ञ हैं किन्तु लेखक उनके साहसिक जीवनकार्य के मुरीद है।

लेखक की इच्छा पण्डित नैन सिंह रावत के जन्म स्थली गाँव देखना तथा भ्रमण करने पर भटकुरा गाँव में एक सज्जन व्यक्ति श्री बाला सिंह पवार जी से मुलाकात जो लगभग 72 बर्ष आयु के थी, जो शिक्षित व जानकार, बड़ी भावुकता के साथ नैन सिंह से सम्बन्धित जानकारी सांझा करते हैं।

भटकुरा मुनस्यारी तहसील मुख्यालय से लगभग तीस,पैंतीस किमी दूर मोटर मार्ग का रास्ता है, जो मुनस्यारी के ठीक सामने चुलकोट धार से कुछ दूरी पर है। भटकुरा मुनस्यारी तहसील मुख्यालय के पूर्व दिशा की ओर हवाई सामानान्तर में स्थित है।

भटकुरा निवासी श्री बाला सिंह पवार जी के कथानानुसार नैन सिंह के पिता अमर सिंह के हम उम्र तुला सिंह पवार, चन्द्र सिंह पवार की आपस में घनिष्ठ मित्रता थी....उन्होने ही भटकुरा स्थिति अमर सिंह (लाटा) प्रवासी घर की ओर इंगित करते गाँव से कुछ दूर दक्षिणी छोर पर कच्चा घर होने का संकेत किया। जहाँ जंगल, घास-फूस उग आए हैं। महान अन्वेषक, भूगोलवेत्ता, इतिहास पुरुष जिसने देश-दुनियां में अपना नाम दर्ज कर लिया हो, किन्तु अपनी ही जन्मभूमि से उपेक्षित है, आज जोहारी शौका समाज व सरकार को अवश्य जन्मभूमि स्थल धरोहर को सजा-सवांरकर रखना महत्वपूर्ण हैं, जिससे मुनस्यारी पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगी। पण्डित नैन सिंह जैसे अद्भुत व्यक्तित्व के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शौका समाज भविष्य में इस विषय को संज्ञान में रखते अवश्य चिन्तन करेगी। (पिघलता हिमालय के वरिष्ठ लेखक)

ज्योतिष की बातें- 263

13 जनवरी 2026 को शुक्र मित्रराशि मकर में प्रवेश करेगा। अत: अगले 24 दिन शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में मकर, धनु, वृश्चिक, तुला, कन्या, मिथुन, वृषभ, मीन व कुम्भ राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

14 जनवरी 2026 को सूर्य अपनी शत्रुराशि मकर में प्रवेश करेगा। अत: सूर्य अगले एक माह स्वास्थ्य आदि अपने कारक विषय में वृश्चिक, सिंह, मेष व मीन राशि के जातकों को अल्पमात्र में शुभ फल प्रदान करेगा। अन्य राशि वालों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

मकर संक्रान्ति- का पर्व भी इसी दिन बुधवार 14 जनवरी 2026 को रहेगा। इस दिन स्नान दान का विशेष पुण्य होता है।

16 जनवरी 2026 को मंगल समराशि मकर में प्रवेश करेगा। अत: मंगल पराक्रम आदि अपने कारक विषयों में अगले 38 दिन वृश्चिक, सिंह व मीन राशि के जातकों को शुभ फल प्रदान करेगा।

17 जनवरी 2026 को बुध समराशि मकर में प्रवेश करेगा। अत: बुध बुद्धि, व्यापार आदि अपने कारक विषयों में अगले 17 दिन धनु, तुला, सिंह, मिथुन, मेष व मीन राशि के जातकों को शुभ फल प्रदान करेगा।

उपरोक्त सभी गोचरुल फलदीपिका के अनुसार प्रस्तुत किए गए हैं।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 153

कार्डों में उलझी दुनिया

बहुत पहले सन् 1940 में राशन कार्ड प्रारम्भ किया गया था, राशन के सार्वजनिक वितरण के लिए । इसके बाद इनकम टैक्स के लिए पैन कार्ड 1972 में प्रारम्भ किया गया । फिर फर्जी मतदान रोकने के लिए वोटर कार्ड 1993 में लाया गया। अब इस समय तो तरह-तरह के कार्डों की भरमार हो गई है। आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड (12 प्रकार के), प्रीपेड कार्ड, चार्ज कार्ड आदि। यदि दो या तीन बैंकों में खाते हैं तो उतने ही पैन कार्ड रखने पड़ते हैं। गाड़ी चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ी का इंश्योरेंस, थर्ड पार्टी इंश्योरेंस, ये सब रखने पड़ते हैं और मूल रूप में अपने पास रखने पड़ते हैं। प्रवास के समय पासपोर्ट और वीजा तो मूल रूप में अपने शरीर से चिपका कर हमेशा रखने पड़ते हैं। जब आधार कार्ड आया तो ऐसा लगा कि अब अन्य कार्डों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

पहले ये अधिकांश कार्ड प्रमाण पत्र के रूप में होते थे जिन्हें फाइल में लोग संभाल कर रखते थे और अब ये छोटे से कार्ड के रूप में उपलब्ध होने लगे हैं। वैसे नियम से तो बहुत से कार्डों की फोटोकॉपी या ऑनलाइन कापी भी दिखाई जा सकती है लेकिन जरूरत पड़ने पर सरकारी कर्मचारी ओरिजिनल ही मांगते हैं। समस्या तो तब आती है जब इन कार्डों से भरा हुआ बटुआ कहीं खो जाता है। फिर सारे कार्डों को दोबारा बनवाना एक जंग लड़ने के समान हो जाता है।

आजकल ये कार्ड इंसान के लिए न होकर, इंसान इन कार्डों के लिए हो गया है। क्या कभी ऐसी सरकार आएगी जो इन कार्डों की गुलामी से जनता को आजाद करे।

-ओंकार नाथ कोष्टा

अंकिता हत्याकाण्ड पर जाँच की मांग

गदरपुर में विशाल धरना प्रदर्शन, जुटे बड़े नेता

नैनीताल/गदरपुर। अंकिता हत्याकाण्ड पर जाँच की मांग को लेकर चारों ओर हो रहे प्रदर्शन के क्रम में गदरपुर में भी विशाल धरना प्रदर्शन हुआ। तहसील के समीप सैकड़ों लोग धरने पर बैठे और तहसीलदार के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया गया। इस प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, उप नेता विधान मण्डल भुवन कापड़ी, विधायक गोपाल राणा, विधायक आदेश चौहान सहित अनेक लोगों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि आज भी उत्तराखण्ड की बेटियों की सुरक्षा और न्याय व्यवथा के लिए बड़ा सवाल बना है। न्याय की

नैनीताल में महिला मंच ने विधायक को दिया ज्ञापन

लड़ाई में पीड़ित परिवार को समर्थन देनले और दोषियों को सजा दिलाने के लिए हमें एकजुट होना होगा। स्वतंत्र और निष्पक्ष सीबीआई की जाँच उच्च न्यायालय के न्यायधीश के देखरेख में हो, यह उत्तराखण्ड देवभूमि के लोगों का अधिकार है और इसके लिये आवाज उठनी चाहिये।

कड़क ठण्ड के बावजूद भारी संख्या में लोगों का सड़कों में उतरना बता रहा है कि आम जनता में कितना गुस्सा भरा हुआ है। नैनीताल मुख्यालय में उत्तराखण्ड महिला मंच के सदस्यों ने विधायक सरिता आर्या को ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री को सम्बोधित इस ज्ञापन में सीबीआई जाँच की मांग की है। कहा है कि पूर्व में उत्तराखण्ड महिला मंच की फैक्ट फाईंडिंग रिपोर्ट स्पष्ट रूप से तथ्यों को तोड़ने मरोड़ने और तथ्य छिपाने और वीआईपी का नाम न उजागर करने पर पूरे तन्त्र को शक के दायरे में होने की ओर इशारा करती है। ज्ञापन देने वालों में डॉ.शीला रजवार, पार्वती मेहरा, चम्पा उपाध्याय, माया चिलवाल, गायत्री, भावना आदि मौजूद थे।

सीएम से मिला शिष्टमण्डल

दोबाटा-मर्तोली मार्ग के लिए वित्तीय स्वीकृति

देहरादून। मर्तोली वासियों का एक शिष्टमण्डल गणेश सिंह मर्तोलिया के नेतृत्व में मुख्यमंत्री आवास गया। इसमें ललित सिंह मर्तोलिया, भोपाल सिंह मर्तोलिया, भारत भूषण सिंह मर्तोलिया, बहादुर सिंह मर्तोलिया शामिल थे। मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत मर्तोली गाँव के लिए दोबाटा से मर्तोली गाँव तक 3.02 किमी मार्ग के निर्माण के लिये 84.12 लाख की वित्तीय स्वीकृत प्रदान की है।

इसके लिये शिष्टमण्डल ने सभी ग्रामवासियों की ओर से सीएम का आभार व्यक्त किया और आने वाले समय में मर्तोली आकर प्राकृतिक सौन्दर्य अवलोकन का आग्रह किया।

लला जसुली की याद में मेधावियों का प्रोत्साहन

धारचूला। दानवीरांगना जसुली बूढ़ी राजकीय बालिका इण्टर कालेज में गृह परीक्षाओं के मधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन किया जायेगा। जसुली लला स्मृति मंच के अध्यक्ष फली सिंह दताल ने बताया है कि प्रतिवर्ष की भाँति इस बार भी यह आयोजन होगा और छात्रवृत्ति वितरित के अलावा लला की मूर्ति का अनावरण भी होना है। इस वर्ष अंजनी गर्ब्याल बोनाल के द्वारा इसमें प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। श्री दताल ने सभी लोगों से अपील की है कि सीमान्त की महान दानवीरांगना की स्मृतियों को संजोने में योगदान दें।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मशीनों से खनन के विरोध में प्रदर्शन

पिथौरागढ़। बेरीनाग तहसील के बेलडाआगर में मशीनें लगाकर खड़िया खनन कराये जाने से क्षेत्रवासी बेहद नाराज हैं, जिन्होंने जिला मुख्यालय पहुँचकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। कहा कि खनन विभाग ने शिकायत पर मशीनें सीज की थीं लेकिन फिर से खनन जारी है जिससे क्षेत्र को खतरा बना हुआ है। यहाँ भूस्खलन से बड़ा हादसा हो सकता है।

20 करोड़ से बनेगा नाला : बंशीधर

हल्द्वानी। कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने बताया है कि छड़ायल प्रेमपुर लोश्ज्ञानी से मेरीगोल्ड बैंक्वेट हॉल तक आधुनिक आरसीसी नाले का 20 करोड़ रुपये की लागत से से निर्माण किया जाएगा। इससे बरसात के पानी नाले से सुचारु निकासी होगी। इससे जलभराव की समस्या, क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति तथा यातायात अव्यवस्था का स्थायी समाधान होगा।

उत्तरायणी पर बागेश्वर मेले सहित जगह-जगह आयोजनों की धूम मची

उत्तरायणी आते ही स्नान ध्यान के साथ योग बदलने मी मान्यता है। प्रदेश में घुघुतिया त्यौहार का रिवाज भी है। साथ ही माघ की खिचड़ी की तैयारी भी होने लगी है। बागेश्वर के प्रचलित व्यापारिक मेले की धूम मची हुई है। इसके साथ ही माघ की खिचड़ी आयोजन की तैयारियां हो रही हैं।

घुघुतिया त्यौहार

माघ की खिचड़ी

बागेश्वर में सरयू-गोमती के संगम स्थान में मेले का धार्मिक महत्व है। इसी प्रकार उत्तरकाशी में भी भी आयोजन हो रहा है। रानीबाग चित्रशिला घाट पर कत्यूर बंशजों का जमावड़ा देखा जा रहा है। हल्द्वानी में पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच के अलावा गौलापार, कालाढूंगी, हल्दूचौड़ तमाम जगह आयोजन हो रहे हैं। कपकोट, द्वाराहाट, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ खटीमा, बरेली, कानपुर, लखनऊ, भोपाल, दिल्ली में भी आयोजनों को लेकर धूम है। जोहार में होने वाली माघ खिचड़ी आयोजनों पर तैयारी की सूचना है।

जाखणी गांव में ग्रामीणों ने शराब प्रतिबन्धित की

रुद्रप्रयाग। तल्लानागपुर क्षेत्र के अन्तर्गत जाखणी गाँव के ग्रामीणों ने सामाजिक कुरीतियों पर लगाम लगाने की सराहनीय पहल की है। ग्राम प्रधान सरोज देवी की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि शादी-विवाह एवं सार्वजनिक कार्यों में शराब प्रतिबन्धित रहेगी। बढ़ रहे शराब प्रचलन पर रोक से ग्रामीणों ने खुशी जताई है।

रानीखेत में विकास कार्यों पर चर्चा

रानीखेत। छावनी परिषद की एक अहम बैठक परिषद चेयरमैन व केआरसी कमाण्डेंट ब्रिगेडियर संजय कुमार यादव की अध्यक्षता में परिषद सभागार में हुई। जिसमें परिषद द्वारा सैन्य एवं नागरिक समन्वय से वर्षभर में किए गए विकास कार्यों पर चर्चा करने के साथ ही आगामी परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

हल्द्वानी में पहली मैकेनाइज्ड पार्किंग

हल्द्वानी। नगर निगम शहर में पहली मैकेनाइज्ड पार्किंग बनाने की तैयारी कर रहा है। नगर निगम की ओर से पार्किंग प्रस्ताव बनाकर तैयार किया जा चुका है, जिसे शहरी विकास निदेशालय की ओर से शीघ्र ही इसकी डीपीआर तैयार की जाएगी।

मैकेनाज्ड पार्किंग बनाने से शहर वासियों को को जाम से काफी हद तक राहत मिलेगी। निगम की ओर से पहले चरण में पार्किंग के लिए शहर में दो स्थान चयनित किए हैं। जिसमें कालाढूंगी रोड स्थित जीजीआईसी के पास और भोटिया पड़ाव स्थित टैक्सी स्टैण्ड के पास पार्किंग बनाई जाएगी। देश के बड़े शहरों की तर्ज पर अब हल्द्वानी में भी जगह की कमी को देखते हुए यह तैयारी है। इस पार्किंग में रोटेटिंग प्लेटफार्म होता है जो कारों को एक स्थान से दूसरे स्थान और ऊपर ले जाता है। देश में सबसे पहले मुम्बई में इसकी शुरुआत की गई थी।

बार काउंसिल का चुनाव 17 फरवरी को होगा

नैनीताल। उत्तराखण्ड बार काउंसिल चुनाव समिति ने पूर्व में निर्धारित चुनाव की तिथि को बदलते हुए 17 फरवरी को मतदान का निर्णय लिया है। उच्चाधिकार प्राप्त चुनाव समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राजीव शर्मा की अध्यक्षता में हुई वर्चुअल बैठक में जस्टिस कुलदीप सिंह और न्यायमूर्ति यूएस ध्यानी मौजूद थे।

बार काउंसिल के चुनाव के लिए गठित हाईपावर कमेटी को उत्तराखण्ड बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीसीएस रावत, महासचिव सौरभ अधिकारी सहित समस्त कार्यकारिणी, बार काउंसिल के पूर्व चैयरमैन डॉ. महेन्द्र पाल, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव विकास बहुगुणा सहित विभिन्न बार एसोसिएशनों ने चुनाव स्थगित करने के लिए प्रत्यावेदन भेजा था और उच्च न्यायालय में शीत कालीन अवकाश है। पूर्व सचिव विकास बहुगुणा ने सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थनापत्र भी दाखिल किया था। राज्य की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और ठण्ड को देखते हुए समय में बदलावा हो।

परिक्रमा

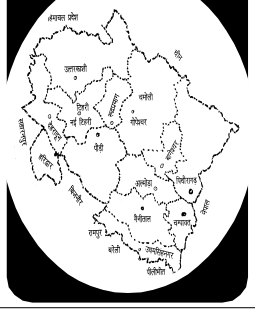

अवैध खड़िया खनन मामले में कमेटी गठित

नैनीताल। उच्च न्यायालय ने बागेश्वर जिले की काण्डा तहसील सहित अन्य गाँवों में अवैध खड़िया खनन के कारण घरों में आई दरारों के मामले पर स्वत: संज्ञान लेते हुए दायर जनहित याचिका तथा 165 इकाइयों से सम्बन्धित अन्य याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए एक कमेटी का गठन किया है। कोर्ट ने जिस कमेटी का गठन किया उसमें नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग के वैज्ञानिक, वाडिया इंस्टीट्यूट, प्रो. अजय रावत सहित अन्य को शामिल किया गया है। माइनिंग आफिसर को हर माइन का निरीक्षण करना होगा और इसकी रिपोर्ट हर दो सप्ताह में कोर्ट में देनी होगी। मुख्य न्यायाधीश जी.नरेन्दर एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार काण्डा तहसील के ग्रामीणों ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर अवैध खड़िया खनन से हो रहे नुकसान के बारे में बताया।

रिंग रोड मार्च तक बनने की उम्मीद

रुद्रपुर। विधायक शिव अरोरा ने एनएचए आई अधिकारियों के साथ एमेनिटी स्कूल के सामने से बन रहे रिंग रोड का स्थलीय निरीक्षण किया और कहा कि रुद्रपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों को विकास से जोड़ने वाले 1082 करोड़ की लागत से बन रहे 20 किमी लम्बे रिंग रोड के मार्च 2026 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। कहा भविष्य में रिंग रोड के आसपास नये रुद्रपुर की बसावट होगी।

कर्मचारियों ने दी है आन्दोलन की चेतावनी

देहरादून। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने 15 जनवरी से आन्दोलन की चेतावनी दी है। परिषद ने मुख्य सचिव को 18 सूत्रीय मांगों के साथ आन्दोलन का नोटिस दिया है। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अरुण पाण्डे ने बताया कि लम्बे समय से परिषद की ओर से शासन एवं सरकार के स्तर पर वार्ता के बाद भी मांगों का निस्तारण नहीं किया गया है।

राजा जगत देव की प्रतिमा का अनावरण

गदरपुर। बुक्सा जनजाति के आराध्य देव राजा जगत देव के जन्मोत्सव पर बेरिया दौला स्थित डल बाबा मन्दिर में भव्य आयोजन में सीएम ने वर्चुअल माध्यम से जगत देवी की 9 फीट ऊंची अष्टधातु की प्रतिमा का अनावरण किया। बताते चलें कि दस माह पूर्व अराजक तत्वों द्वारा प्राचीन प्रतिमा को खण्डित कर दिया था, जिसके स्थान पर अब विकास प्राधिकरण के सौजन्य से नई प्रतिमा सुशोभित की गई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी नितिन भदौरिया, विधायक अरविन्द पाण्डे, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री राजेश कुमार, पालिकाध्यक्ष मनोज गुम्बर, नगर पंचायत अध्यक्ष गूलरभोज सतीश चुघ, नगर पंचायत दिनेश पुर अध्यक्ष काबल सिंह, ब्लाक प्रमुख ज्योति ग्रोवर भी उपस्थित थे।

उर्मिला सनावर जाल में फंस चुकी है

अंकिता हत्याकाण्ड से जुड़े चर्चित ऑडियो क्लिप और ब्लैकमेलिंग मामलों में सहारनपुर की अभिनेत्री उर्मिला सनावर अपने ही जाल में फंस चुकी है। हरिद्वार पुलिस ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट हासिल कर उर्मिला और निष्कासित पूर्व विधायक भाजपा के विधायक सुरेश राठौर की जिस प्रकार से चारों ओर तलाश की है उससे यह भी साफ हो रहा है कि उर्मिला और सुरेश राठौर दोनों ही राजनीति के बड़े खिलाड़ी हैं। इनके आपसी झगड़े भी चर्चा में रहे हैं। इनके झगड़े में यह भी बात खुली है कि अंकिता मामले में कुछ राज तो यह जानते ही होंगे, जिस कारण इतनी जोर से इनके द्वारा वीडियो जारी कर पूरे प्रदेश में हलचल मचाई गई है। अब जबकि इनके झगड़े के साथ अंकिता हत्याकाण्ड को लेकर उत्तराखण्ड सुलगा हुआ है कोई परिणाम तो आएगा ही। अभी तक की सारी हरकत ने कई चेहरों का रंग उड़ा दिया है।

शान्तिकुंज में साधना व यज्ञ

हरिद्वार। शान्तिकुन्ज में 2026 का शुभारम्भ साधना व यज्ञ से हुआ। 11 पारियों में आयोजत इस महायज्ञ में देश के कोने कोने से आए साधकों ने गायत्री महामंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र के साथ विशेष आहुतियां दी। अपने सन्देश में गायत्री परिवार के पमुखद्वय डॉ.प्रणव पाण्ड्या एवं संस्था की अधिष्ठात्री शैल दीदी ने जन्मशताब्दी वर्ष्ा पूरे उत्साह के साथ मनाने का आह्वान किया।

शारदा घाट पुनर्विकास परियोजना तय

टनकपुर/चम्पावत। सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में शारदा घाट पुनर्विकास परियोजना को 107.35 करोड़ की स्वीकृति के साथ ही पूर्णागिरी मन्दिर हेतु 5.34 करोड़ स्वीकृत हुए हैं। परियोजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत कुल स्वीकृत धनराशि की 40 प्रतिशत राशि 42.94 करोड़ की प्रथम किस्त शासन द्वारा जारी कर दी गई है। परियोजना का निर्माण कार्य पीआईयू, सिंचाई विभाग द्वारा किया जायेगा। शारदा रिवरफ्रंट परियोजना के अन्तर्गत पूर्णागिरी मन्दिर एवं पहुंच मार्ग पर वन सूचना केन्द्र, सहायक सुविधाओं का विकास एवं भीड़ प्रबन्धन कर्य के लिये शासन द्वारा 5.34 करोड़ रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना के अन्तर्गत प्रथम किश्त के रूप में 40 प्रतिशत धनराशि 2.236 करोड़ रुपये जारी की गई है। इसके माध्यम से पूर्णागिरी मन्दिर क्षेत्र में फारेस्ट इंफॉर्मेशन सेन्टर, सहायक सुविधाओं का विकास, प्रभावी भीड़ प्रबन्धन व्यवस्था तथा अप्रोच रोड का सुदृढ़ीकरण किया जायेगा।

जोन्स एस्टेट में पेड़ कटान पर रोक लगाई

भीमताल। जोन्स एस्टेट क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षण को लेकर पीटर स्मेटा द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश जी.नरेन्दर और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ ने स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि इस क्षेत्र में पेड़ों के कटान और कटाई के लिए कोई भी अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। यह अंतरिम रोक समान रूप से लागू है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

कौन थी गार्गी.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

जल अन्ततः वायु में ओतप्रोत हो जाता है। फिर गार्गी ने पूछ लिया कि वायु किसमें जाकर मिल जाता है और याज्ञवल्क्य का उत्तर था कि अन्तरिक्ष लोक में। पर गार्गी तो अदम्य थी। वह भला कहाँ रुक सकती थी? वह याज्ञवल्क्य के हर उत्तर को प्रश्न में तब्दील करती गई और इस तरह गन्धर्व लोक, आदित्य लोक, चन्द्रलोक, नक्षत्र लोक, देवलोक, इन्द्रलोक, प्रजापति लोक और ब्रह्म लोक तक जा पहुँची और अन्त में गार्गी ने फिर वही सवाल पूछ लिया कि यह ब्रह्मलोक किसमें जाकर मिल जाता है?

अगर याज्ञवल्क्य ने गार्गी का सवाल शुरू में ही समझ लिया होता तो शायद उन्हें वह नहीं कहना पड़ता जो गार्गी को लगभग डाँटते हुए उन्होंने कहा- 'गार्गी, मातिप्राक्षीमां ते मूर्धा व्यपप्तत्' यानी, इतना ज्यादा सवाल मत करो, कहीं ऐसा न हो कि इससे तुम्हारा भेजा ही फट जाए।' गार्गी का सवाल वास्तव में सृष्टि के रहस्य के बारे में था अगर याज्ञवल्क्य उसे ठीक तरह से समझा देते तो उन्हें इस विदुषी-दार्शनिका को फिर डाँटना न पड़ता। पर गार्गी चूँकि अच्छी वक्ता थी और अच्छा वक्ता वही होता है जिसे पता होता है कि कब बोलना और कब चुप हो जाना है तो याज्ञवल्क्य को यह बात सुनकर वह परमहंस चुप हो गई।

पर अपने दूसरे सवाल में गार्गी ने दूसरा कमाल दिखा दिया। उसे अपने प्रतिद्वंद्वी से यानी याज्ञवल्क्य से दो सवाल पूछने थ्ले तो उसने बड़ी ही शानदार भूमिका बाँधी। गार्गी बोली, 'याज्ञवल्क्य, सुनो। मान लो काशी या विदेह का राजपुत्र अपने धनुष पर पहले डोरी चढ़ाए, फिर निशाना मार कर सकने लायक दो पुंखों वाले वाणों को धनुष पर चढ़ाकर उनका सन्धान कर दे, वैसे ही मै। तुम्हारे पास दो सवाल लेकर आ रही हूँ।' यानी गार्गी बड़े ही आक्रमक मूड में थी और उसके सवाल बहुत तीखे थे। क्या थे ये सवाल? याज्ञवल्क्य ने कहा- 'पृच्छ गार्गी' हे गार्गी, पूछो। सवाल थेः 1. द्युलोक से ऊपर जो कुछ भी है और पृथ्वी से नीचे जो कुछ भी और जिसे हम द्यावापृथ्वी कहते है। उसके बीच में जो कुछ भी है, तथा 2. जो हो चुका है और जो अभी होना है-ये दोनों किसमें ओतप्रोत है?

सवाल समझ गए ना आप? पहला सवाल स्पेस के बारे में है तो दूसरा टज्ञइम के बारे में है। स्पेस और टाइम के बाहर भी कुछ है क्या? नहीं है, इसलिए मानो गार्गी ने बाण की तरह पैने इन दो सवालों के जरिए यह पूछ लिया कि सारा ब्रह्माण्ड किसके अधीन है? याज्ञवल्क्य निपुण थे। वे बोले, 'एतस्य वा अक्षरम्य प्रशासने गार्गी।' यानी कोई अक्षर-अविनाशी तत्व है जिसके प्रशासन में, अनुशासन सभी कुछ ओतप्रोत है। गार्गी ने पूछा कि यह सारा ब्रह्माण्ड किसके अधीन है तो याज्ञवल्क्य का उत्तर था- अमरतत्व के। इस बार याज्ञवल्क्य अपने जवाब से मानो अति प्रसन्न थे। इसलिए न केवल गार्गी को कोई डांट-वांट इस बार नहीं मिली, अपितु वे अपनी बात को समझाने के मूड में आ गए। बोलेः 'गार्गी इस अक्षर तत्व को जाने बिना यज्ञ और तप सब बेकार है। अगर कोई इस रहस्य को जाने बिना मर जाए तो समझो कि वह कृपण है। और ब्राह्मण वही जो इस रहस्य को जानकर ही इस लोक से विदा होता है।'

इस बार गार्गी भी मुग्ध थी। अपने सवालों के जवाब से वह इतनी प्रभावित हुई कि महावशी जनक की राजसभा में उसने याज्ञवल्क्य को परम ब्रह्मनिष्ठ मान लिया और वहाँ मौजूद बाकी प्रतिद्वन्द्वी ब्राह्मणों से कहा, 'सुनो, अगर भला चाहते हो तो याज्ञवल्क्य को नमस्कार करके अपने छुटकारे का रास्ता ढूँढो। इससे पार नहीं है और आप में से कोई भी इसे जीत कर ब्रह्मनिष्ठ नहीं बन सकता।'

कह कर गार्गी चुप हो गई। मानो उसने भी याज्ञवल्क्य को अपना गुरु मान लिया हो। इतने तीखे सवाल पूछने के बाद गार्गी ने जिस तरह याज्ञवल्क्य की प्रशंसा कर अपनी बात खत्म की तो उसने वाचक्नवी होने का एक और गुण भी दिखा दिया कि उसमें अहंकार का नामोनिशान नहीं था। ज्ञानी को अहंकार नहीं आता, बल्कि विजेता को गुरु मान लेने में ही अपने बड़प्पन को व्यक्त करता है। गार्गी ने वही किया और इस तरह अपने अगाध ज्ञान की अदम्य जिज्ञासा की, बहस करने में अपने सामर्थ्य की छाप भी छोड़ी और एक ऐसा बड़प्पन भी दिखा दिया जिसने गार्गी को याज्ञवल्क्य और जनक से अविभाज्य कर दिया है। ऐसी थी गार्गी वाचक्नवी, देश की प्रथम दार्शनिका।

(साभार नवभारत टाइम्स)

कालाढूंगी मार्ग चौड़ीकरण की जद में 197 भवन

मुखानी चौराहे से कठघरिया तक होना है कार्य

हल्द्वानी। प्रशासन ने कालाढूंगी मार्ग के चौड़ीकरण की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कठघरिया से कालू सिद्ध मन्दिर तक यह तैयारी है। सड़क के दोनों ओर चौड़ीकरण की जद में आ रहे भवनों का सर्वे शुरू हो चुका है। पहले चरण में कठघरिया से मुखानी तक सर्वे पूरा हो गया है, दूसरे चरण में मुखानी से कालू सिद्ध बाबा मन्दिर तक कार्य होना है। बताया जा रहा है कि सड़क के बीचोंबीच से दोनों तरफ 12-12 मीटर का चौड़ीकरण किया जाएगा। इसमें लालडांअ समेत कई हिस्से हैं जो 12-12 मीटर चौड़े हैं लेकिन कई हिस्से अभी संकरे हैं जिनकी वजह से जाम लगता है। इसको देखते हुए जिला प्रशासन ने राजस्व विभाग को सर्वे के निर्देश दिये हैं। पहले चरण में कठघरिया से मुखानी तक सर्वे पूरा हो गया था। इसमें सड़क के दोनों ओर 197 अतिक्रमण चिन्हित हुए हैं। इनमें सरकारी, नजूल, निजी व फ्रीहोल्ड वाली भूमि आ रही है। अधिकांश भवन श्रेणी 1 क की भूमि में बने हुए हैं। ऐसे में सरकार को इन भवनों को ध्वस्तीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण करनी होगी। दूसरे चरण में मुखानी से कालू सिद्ध बाबा मन्दिर तक सर्वे होगा। इसमें सड़क के दोनों ओर भवनों को चिन्हित किया जाएगा।

कालाढूंगी रोड चौड़ीकरण के बाद शहर में हो रहे जाम से काफी राहत होगी। इस मार्ग पर बेतहाशा जाम से लोग परेशान हो चुके हैं। पार्किंग सुविधा भी नहीं है।

हरदा का ऐलान चुनाव नहीं लड़ूंगा

देहरादून। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्लूसी) के सदस्य एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने ऐलान किया है कि वह अब कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन अगले विधान सभा चुनाव में उत्तराखण्ड में कांग्रेस को बहुमत से जिताने के लिए पूरी ताकत से पार्टी के साथ खड़े रहेंगे।

पत्रकारों से बातचीज में श्री रावत ने कहा कि उन्होंने तय कर लिया है कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन अपने अनुभवों का लाभ पार्टी को देंगे और पार्टी उम्मीदवारों के साथ सक्रिय रहेंगे। हरदा ने कहा, वह पार्टी के समर्पित सिपाही हैं और पार्टी की मजबूती के लिये बूथ लेबल पर भी काम करने को तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में उत्तराखण्ड बदहाल स्थिति में पहुंच गया है इसलिए पूरा माहौल कांग्रेस के पक्ष में है। अब जब भी चुनाव होंगे, कोई भी करिश्मा भाजपा को जिता नहीं सकता।

साहू के बयान से एक बार फिर मंत्री रेखा की किरकिरी

देहरादून। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू द्वारा कथित तौर पर बिहार की युवतियों को लेकर दिए विवादित बयान से उनकी किरकिरी हुई है। साहू और रेखा आर्य पहले भी मामालों में सुर्खियों में रहे हैं। तमाम आरोपों से घिरे साहू ने विरोध होता देख वीडियो जारी कर माफी मांगी लेकिन गुस्सा थम नहीं रहा है। कांग्रेस ने मंत्री आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया। साहू के बयान के बाद प्रदेश में चारों ओर लोगों ने विरोध करते हुए कहा कि बालिकाओं के लिये इस प्रकार से बोलना गलत है। उधर बिहार में मामले को लेकर रोष है। बताया जाता है कि उत्तराखण्ड से इस बारे में जानकारी चाही है कि किस प्रकार से बिहार की बालिकाओं के लिये बोला गया।

शीशम भुजिया में शराब का बहिष्कार

हल्द्वानी/लालकुआ। बिन्दुखत्ता स्थित शीशम भुजिया के ग्रामीणों ने नशे के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए निर्णय लिया है कि विभिन्न कार्यक्रमों में शराब पिलाने वालों को सामाजिक बहिष्कार किया जायेगा। साथ ही 11 हजार रुपये अर्थदण्ड वसूली होगी। पंच मण्डली समिति में सर्व सम्मति से कुन्दन सिंह को अध्यक्ष एवं केदार सिंह कोरंगा को महामंत्री मनोनीत किया गया।

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क
7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड,
दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

होटल
माँ नन्दादेवी
एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
मो.न.
8958525979,
9411134775
फोन सम्पर्क-
05961-222236
गणेश सिंह मर्तोलिया
एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग
मैटीरियल, जनरल आर्डर
सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घुघुतिया त्यार/उत्तरायणी की हार्दिक शुभकामनाएं

तनुजा जोशी

'गुलमोहर हाउस' ईसाई नगर- 1, लामाचौड़, हल्द्वानी

नारायण सिंह धर्मशक्तू

जवाहर नवोदय विद्यालय

सुयालबाड़ी

(नैनीताल)

श्याम सिंह कुटौला

ढूंगाधारा,

अल्मोड़ा

न तेरा न मेरा **Thats**

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION	LIVE MUSIC	HOMELY FOOD	BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

श्रीमती अनीता पांगती

गजेन्द्र सिंह पांगती

नवीन लॉज

भोटिया पड़ाव,

हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)